

**सांबर पुं.** (तत्.) 1. साँभर हिरण 2. साँभर नामक, संवल, पाथेय, राह-खर्च।

**सामंतिक वि.** (तत्.) सामंत संबंधी, सामंत का, सामंती, सामंत तंत्र से संबंधित।

**सांयोगिक वि.** (तत्.) संयोग से होने वाला, अचानक होने वाला, आकस्मिक, अप्रत्याशित क्रि.वि. संयोगवश, अकस्मात्, अचानक।

**सांवत्सर वि.** (तत्.) सांवत्सरिक, वार्षिक पुं. गणक, ज्योतिषी, पंचांग बनाने वाला, चांद्रमास।

**सांवत्सरिक वि.** (तत्.) संवत्सर-संबंधी, प्रतिवर्ष होने वाला, वार्षिक यज्ञ संबंधी पुं. ज्योतिषी, गणक, चांद्र मास।

**सांवत्सरीय वि.** (तत्.) संवत्सर-संबंधी, वार्षिक।

**सांविधानिक वि.** (तत्.) संविधान संबंधी, संविधान सम्मत, संविधान के अनुरूप।

**सांविधिक वि.** (तत्.) संविधि संबंधी, विधि विहित, विधिगत, विधिक statutory

**सांवृत्तिक वि.** (तत्.) भ्रमात्मक, मायामय, मिथ्या।

**सांवेगिक वि.** (तत्.) संवेग संबंधी, संवेगपरक, संवेगात्मक, भावात्मक, भावनात्मक।

**सांसद वि.** (तत्.) कथन, व्यवहार या आचरण, जो संसद या उसके सदस्यों की मर्यादा के अनुकूल हो, पूर्णभद्रोचित पुं. संसद का सदस्य, वह जो संसद के रीति-व्यवहारों का अच्छा ज्ञाता हो और उसमें बैठकर सब काम ठीक तरह से चलाने में पूर्ण पटु हो।

**सांसदी पुं.** (तत्.) संसद सदस्यों का कार्य, व्यवहार, उत्तरदायित्व।

**सांसर्गिक वि.** (तत्.) संसर्ग संबंधी, संसर्ग से उत्पन्न होने या बढ़ने वाला।

**सांसारिक वि.** (तत्.) जिसका संबंध इस संसार या उसकी वस्तुओं, व्यापारों, व्यवहारों आदि से हो, आध्यात्मिक तथा पारलौकिक से भिन्न, लौकिक, जीवन की आवश्यकताओं, विषय-भोगों आदि से संबद्ध।

**सांसिद्धिक वि.** (तत्.) संसिद्धि संबंधी, प्राकृतिक, आत्म-भू, स्वतः प्रसूता, मोक्ष-संबंधी।

**सांस्कारिक वि.** (तत्.) संस्कार संबंधी, संस्कारजन्य, संस्कारों के लिए आवश्यक, अच्छे संस्कार देने वाला।

**सांस्कृतिक वि.** (तत्.) संस्कृति संबंधी, संस्कृति के क्षेत्र में आने या होने वाला।

**सांस्थानिक वि.** (तत्.) संस्थान संबंधी, संस्थानयुक्त, एक ही स्थान का।

**सांस्पर्शिक वि.** (तत्.) संस्पर्श संबंधी, संस्पर्श से उत्पन्न होने वाला या संस्पर्श से फैलने वाला।

**साँई वि.** (तद्.) शयन करने वाला, शायी उदा. अच्युत। रहै सदा जल साई -सूरसागर (10/3)

**साँकटा पुं.** (तद्.) संकट, कष्ट।

**साँकड़ पुं.** (देश.) सिक्कड़ वि. साँकरा उदा. जमुनक तिरे तिरे साँकड़ वाही-विद्यापति स्त्री. साँकल।

**साँकड़ा पुं.** (देश.) पैरों में पहना जाने वाला कड़े की तरह का एक प्रकार का गहना।

**साँकर वि.** (देश.) संकीर्ण, तंग, कष्टदायक पुं. कष्ट या संकट की दशा अथवा समय स्त्री. साँकल।

**साँकरा पुं.** (देश.) साँकड़ा वि. साँकरा।

**साँकरिक वि.** (तत्.) वर्ण संकर, दोगला।

**साँकरी वि.** (तद्.) तंग, साँकरी उदा. प्रेम गली अति साँकरी-कबीर।

**साँकरे पुं.** (तद्.) संकट, कष्ट, दुख उदा. साँकरे की साँकरन सनमुख होते तोरे-राम चंद्रिका।

**साँकल स्त्री.** (तद्.) 1. शृंखला, जंजीर उदा. साँकले हमारी हैं, जकड़ रहा है वह जिनसे हिंदुओं के पैर- निराला 2. द्वार में लगाई जाने वाली कुंडी 3. गले का एक आभूषण, सिकड़ी 4. पशुओं के गले में बाँधने की जंजीर।

**साँख पुं.** (तद्.) शंख उदा. साँख घोटि कै पीठ सँवारी-कुतुबन।